FREEMIND Date Page

Type of Independent Variable

Independent variable को दो भागों में बाँट सकते हैं - continuous independent variable तथा discontinuous Independent variable. continuous Independent variable अर्थात् सतत स्वतंत्र चर उसे कहते हैं जो किसी सतत रेखा पर लगातार होता है और जिसके दो भागों या बिन्दुओं के बीच वास्तविक gap नहीं होती है। जैसे - चिन्ता की मात्रा को निम्न चिंता से उच्च चिंता की ओर एक सतत रेखा पर लगातार दर्शाया जा सकता है। किन्तु चिन्ता की दो मात्राओं के ~~बीच~~ वास्तविक gap नहीं होगी। इसी तरह बुद्धि, उपलब्धि, स्वस्थान, प्रेरणा आदि सतत चर के उदाहरण हैं। इसके विपरीत असतत चर उसे कहते हैं जिसे एक सतत रेखा पर दिखाना संभव नहीं होता है और जिसमें वास्तविक विभाजन होता है। जैसे- यौन एक असतत स्वतंत्र चर है, जिसका विभाजन पुरुष तथा स्त्री में सम्भव होता है और इन दोनों के बीच ~~वास्तविक~~ वास्तविक अन्तर होता है। इसी तरह पास - फेल, जीवित - मृत आदि विभाजक विभाओं वाले असतत स्वतंत्र चर हैं।

Scanned with CamScanner

Independent variable अर्थात स्वतंत्र चर को पुनः दो भागों में बाँटा गया है - Experimental variable अर्थात प्रयोगात्मक चर तथा controlled variable अर्थात नियंत्रित चर। प्रयोगात्मक चर उस चर को कहता है जिसके प्रभाव को देखना प्रयोगकर्ता का उद्देश्य होता है। कोई प्रयोगकर्ता अपने प्रयोग में शिक्षण पर पुरस्कार के प्रभाव को देखना चाहता है। यहाँ यदि पुरस्कार जो एक स्वतंत्र चर है वो प्रयोगात्मक चर कहलायेगा। दूसरी ओर ऐसे स्वतंत्र चर जिनका प्रभाव अध्ययन विषय अर्थात आश्रित चर पर पड़ सकता है, किन्तु प्रयोगकर्ता ने उनके प्रभाव को रोक दिया हो, उन्हें नियंत्रित चर कहेंगे। इस उदाहरण में सीखने पर पुरस्कार के अलावा प्रयोज्य की आयु, बुद्धि, लिंग, मौन तथा शिक्षण-सामग्री के स्वरूप आदि का प्रभाव भी निश्चित रूप से पड़ेगा। लेकिन प्रयोगकर्ता इन्हें नियंत्रित कर लेता है अर्थात इनका प्रभाव शिक्षण पर नहीं पड़ने देता है। अतः शिक्षण में जो भी परिवर्तन होगा उसे पुरस्कार का परिणाम समझा जायेगा।

Scanned with CamScanner

FREEMIN
Date
Page

Controlled variable अर्थात नियंत्रित चर relevant variable अर्थात संगत चर के नाम से भी जाना जाता है। संगत चर का प्रभाव अध्ययन विषय पर पड़ सकता है, लेकिन प्रयोगकर्ता अपने प्रयोग पर पड़ने नहीं देता है। अतः यह चर 'अध्ययन विषय' के लिए संगत होता है जो चर संगत चरों या स्वतंत्र चरों के साथ रहते हैं, किन्तु इनका प्रभाव नहीं पड़ता है, उन्हें असंगत चर कहते हैं। उदाहरण स्वरूप प्रयोग करते समय प्रयोज्य की आँखों का रंग, प्रयोज्य का वर्ग, प्रयोज्य की सामाजिक आर्थिक स्थिति आदि ऐसे चरों के उदाहरण हैं। नियंत्रित चर को स्थिर चर भी कहा जाता है। इसका कारण यह है की यह चर पूरे प्रयोग में स्थिर रहता है अथवा ऐसा कहें कि प्रयोगात्मक अवस्था तथा नियंत्रित अवस्था में ऐसे चर समान रूप से सक्रिय होते हैं अर्थात समान रूप से प्रभाव डालते हैं। अतः इनके कारण दोनों अवस्थाओं के परिणामों में कोई फर्क नहीं पड़ता है।

Scanned with CamScanner

नियंत्रित चर को बाहरी चर भी कहते हैं। कारण, ऐसे चरों के प्रभाव को ~~देखने~~ देखना प्रयोगकर्ता का उद्देश्य होता है।

Dr. Om Prakash Keshri
Deptt of Psychology
Maharaja College
ARA.